डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर

अन्शुमान शर्मा
प्रबन्ध निदेशक
Anshuman Sharma
Managing Director

डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि.
भारत सरकार (रेल मंत्रालय) का उपक्रम
Dedicated Freight Corridor Corporation of India Ltd.
A Government of India (Ministry of Railways) Enterprise

मेरे प्रिय डीएफसीसीआईएल साथियो

आपको और आपके परिवार को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। मेरी प्रार्थना है कि नया साल डीएफसी परिवार के हर सदस्य के जीवन में ख़ुशी और ख़ुशहाली लेकर आए। किसी पर्वत पर चढ़ते समय, तमाम कठिनाइयों के बीच, हमारी नज़र हमेशा आगे की तरफ़ होती है। लेकिन एक पड़ाव पर पहुंच जाने के बाद पीछे मुड़कर उन्हीं तय किए गए रास्तों को देखना एक सुखद अनुभव होता है, जो हमें आत्मविश्वास और स्फूर्ति प्रदान करता है। नए साल की शुरुआत ऐसा ही एक पड़ाव है, जहां पहुंचकर हम पिछले वर्ष की उपलब्धियों से नए वर्ष की चुनौतियों के लिए ऊर्जा प्राप्त करते हैं।

वर्ष 2017 को जिन उपलब्धियों के लिए याद किया जाएगा उनमें प्रमुख हैं- सिविल कार्यों में आई उल्लेखनीय प्रगति। वर्ष 2017 में 450 किमी मेकेनाइज़्ड ट्रैक लिंकिंग की गई, जिसके बाद अब दोनों कोरीडोरों में 900 किमी से ज्यादा ट्रैक लिंकिंग की जा चुकी है। डीएफसी नेटवर्क के सबसे बड़े 3.06 किमी लंबे पुल- सोन ब्रिज का निर्माण 1216 दिनों के रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया। इसी प्रकार पश्चिमी डीएफसी में 1.2 किमी लंबे रेनवाल वायाडक्ट का निर्माण भी गत वर्ष संपन्न हुआ। इसके अतिरिक्त अब तक 82 बड़े पुलों और 1117 छोटे पुलों का निर्माण कार्य भी पूरा कर लिया गया, जबकि 135 बड़े और 406 छोटे पुलों का निर्माण कार्य जारी है।

भूमि अधिग्रहण के क्षेत्र में भी डीएफसी के अथक प्रयासों ने उत्साहवर्धक परिणाम दिए हैं। वर्ष बीतते-बीतते दोनों कोरीडोरों में 98.7.% (पीपीपी सेक्शन को छोड़कर) भूमि अधिग्रहित कर ली गई। डीएफसी ने सिविल, इलेक्ट्रिकल व सिग्नल एवं टेलीकॉम समेत अन्य कांट्रैक्ट अवार्ड करने में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। अब तक कुल रु. 49,043 करोड़ के कांट्रैक्ट अवार्ड किए जा चुके हैं, जो कुल अवार्ड किए जाने वाले कांट्रैक्टो का 94% है।

डीएफसी परियोजना देश की आर्थिक तस्वीर बदलने के साथ-साथ अपने सामाजिक दायित्वों को लेकर भी संवेदनशील है। वर्ष 2017 में डीएफसी ने CSR कार्यक्रम के अंतर्गत 13 केंद्रों में 1039 परियोजना प्रभावित/ ग़रीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों को रोज़गार परक कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया। सैक़ड़ों अन्य लोगों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि वर्ष 2017 हमें अनेक अच्छी यादें और संतुष्ट होने की कई सारी वजहें देकर जा रहा है। लेकिन जिस प्रकार हम किसी भी नई चीज़ में पुरानी चीज़ों की तुलना अतिरिक्त ख़ूबियां देखना चाहते हैं, उसी प्रकार नया साल हमें सफलता की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित कर रहा है।

वर्ष 2018 में डीएफसी की सबसे बड़ी चुनौती पूर्वी डीएफसी के अटेली-फुलेरा और खुर्जा-भाऊपुर सेक्शन के सभी कार्यों को पूरा करना है जिसके लिए हम सभी को मिलकर अथक प्रयास करने की आवश्यकता है। भारतीय रेल के भीड़-भाड़ वाले सेक्शनों की कार्य प्रणाली में सुधार और डीएफसीसीआईएल की छवि को और अधिक उभारने के लिए ये अत्यंत आवश्यक हैं कि इन दोनों सेक्शनों का कार्य समय पर और गुणवत्ता के साथ पूरा हो। इसके लिए टीम वर्क की भावना का और ज़्यादा मज़बूत होना बहुत ज़रूरी है। मेरा पूर्ण विश्वास है कि डीएफसी परिवार का हर सदस्य अपने-अपने क्षेत्र में न सिर्फ़ क़ाबिलियत रखता है, बल्कि उसे करने की नेक नीयत भी रखता है। आवश्यकता बस एक और एक को मिलाकर ग्यारह बनाने की है।

आइए, इन नव वर्ष पर हम संकल्प लें कि संगठन के उद्देश्यों को हम सबसे ऊपर रखेंगे और राष्ट्र के प्रति अपने सामूहिक दायित्वों का निर्वहन और भी अधिक निष्ठा के साथ करेंगे। इस यात्रा में हम सब एक-दूसरे के साथ हैं।

एक बार पुनः आपको और आपके परिवार को नव वर्ष 2018 की हार्दिक शुभकामनाएं

(अंशुमान शर्मा)

Corporate Office : 5th Floor, Pragati Maidan, Metro Station Building Complex, New Delhi-110001
Tel.:+ 91-11-2345 4600, 2337 9820 Fax : 011-2345 4605
CIN : U60232 DL 2006 GOI 155068 Web.: dfccil.gov.in email : asharma@dfcc.co.in